AD EDUXIAN JOURNAL
(A Quarterly Multidisciplinary Blind Peer Reviewed & Refereed International Journal)
www.educarepublication.com
ISSN: 3048-7951
Volume-1, Issue-2, August-October 2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020; उच्च शिक्षा की विशेषताओं के संदर्भ में

डॉ. रश्मि गुप्ता,
असिस्टेंट प्रोफेसर ,
रसायन शास्त्र विभाग,
श्री द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज दनकौर ,गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश),

किसी भी देश की प्रगति के साथ-साथ उसके नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना गया है क्योंकि शिक्षा एवं शिक्षा प्रणाली किसी भी देश के भविष्य निर्धारण का आईना होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत केंद्रीत शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना की गई है, जो इसके परंपरा ,संस्कृति ,मूल्यों और लोकाचार में परिवर्तन लाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने को तत्पर है। प्रत्येक देश में अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिति, राजनीतिक व्यवस्था, प्रौद्योगिकी का उचित प्रयोग और स्वस्थ मानव व्यवहार को तय करने में उच्च शिक्षा एक महत्वपूर्ण पहलू है। 21वीं सदी की आवश्यकताओं को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण उच्चतर शिक्षा का जरूरी उद्देश्य अच्छे, चिंतनशील, बहुमुखी प्रतिभावाले रचनात्मक व्यक्तियों का विकास होना चाहिए। यह एक व्यक्ति को एक या एक से अधिक विशिष्ट क्षेत्रों में गहन स्तर पर अध्ययन करने में सक्षम बनाती है। अतः उच्चतर शिक्षा ही मनुष्य और साथ में आर्थिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय कल्याण के विकास में अति आवश्यक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एनईपी का उद्देश्य उच्च शिक्षा में जीई आर को बढ़ाना, संस्थाओं का पुनर्गठन, बहुविषयक शिक्षा, रेगुलेटरी संरचना की स्थापना, व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करना एवं अनुसंधान में सुधार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से उच्च भारतीय शिक्षा के परिदृश्य में बड़े बदलावों का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, हालांकि इसकी सफलता इसके कार्यान्वयन के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता पर निर्भर करेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में न केवल किसी एक वर्गकोध्यान में रखा गया है बल्कि आने वाली सभी चुनौतियों को ध्यान में रखकर शोधपरक, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दिया गया है । उच्च शिक्षा के

AD EDUXIAN JOURNAL
(A Quarterly Multidisciplinary Blind Peer Reviewed & Refereed International Journal)
www.educarepublication.com
ISSN: 3048-7951
Volume-1, Issue-2, August-October 2024

क्षेत्र में ऐसे बदलाव किए गए हैं जिससे तेजी से बदलते सामाजिक, आर्थिक, वैश्विक परिवेश में देश के युवाओं को सक्षम बनाया जा सके।

मुख्य शब्द: राष्ट्रीय शिक्षा नीति, उच्च शिक्षा , उद्देश्य, सामाजिक, वैश्विक, बहु-विषयक,अनुसंधान

भारतीय संस्कृति में शिक्षा को ज्ञान का स्रोत माना जाता है जो जीवन के सभी पहलुओं को समृद्ध करता है। शिक्षा का मकसद न केवल ज्ञान का अधिग्रहण करना है, बल्कि यह व्यक्तिगत, व्यावसायिक और सामाजिक रूप से विकसित होने की प्रक्रिया को भी समर्थित करता है। अच्छी शिक्षा व्यक्ति में जिज्ञासा, उत्साह, समस्याओं का समाधान करने की क्षमता, और समाज के लिए योगदान करने की इच्छा जगाती है। इसके अलावा, यह ज्ञान, धार्मिकता, नैतिकता, आध्यात्मिकता, और विज्ञान को एक संतुलित तरीके से समाहित करती है, जो एक समर्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, शिक्षा न केवल व्यक्ति के जीवन को सुविधाजनक बनाने में मदद करती है, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नेल्सन मंडेला के अनुसार "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसे आप दुनिया बदलने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।"

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय करने के बाद, शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार करने के लिए डॉ. एन. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में2017 में एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति का उद्देश्य प्रारंभिक बचपन शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सिफारिशें प्रदान करना था। इस समिति ने 2019 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें नीति शिक्षा के पांच महत्वपूर्ण मूलभूत स्तंभों को ध्यान में रखकर सुधार की गई थी। ये मूलभूत स्तंभ पहुंच, सामर्थ्य, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही थे। केंद्र सरकार द्वारा पेश की गई नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय समाज की भावी पीढ़ियों को समृद्ध और समान शिक्षा के माध्यम से शिक्षित करआगे बढ़ानेके लिए महत्वपूर्ण कदम है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy, 2020) का मुख्य उद्देश्य भारतीय

AD EDUXIAN JOURNAL
(A Quarterly Multidisciplinary Blind Peer Reviewed & Refereed International Journal)
www.educarepublication.com
ISSN: 3048-7951
Volume-1, Issue-2, August-October 2024

शिक्षा प्रणाली को समर्थित, समावेशी, और विश्वसनीय बनाना है ।इस नीति के अनुसार, शिक्षा को न केवल ज्ञान की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को भी ध्यान में रखता है। यह नीति न केवल वर्षों से लागू की गई विभिन्न शिक्षा नीतियों से प्रेरणा लेती है, बल्कि प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के मूल्यों और सिद्धांतों को भी अपनाती है। इसके अलावा, यह नीति भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय भाषाएँ, और परंपराओं को समर्थित करती है।इस नई नीति में प्राचीन भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, आध्यात्मिक शिक्षा, और भारतीय शिक्षा पद्धतियों को भी महत्व दिया गया है। इससे उदाहरणार्थ, ध्यान, योग, और मेधावी प्रवृत्ति को समर्थित किया गया है, जो शिक्षा को अधिक प्रभावी और सांस्कृतिक अनुप्रयोगी बनाता है।एनईपी 2020 को चार भागों में प्रस्तुत किया गया है-

1. स्कूली शिक्षा:
    - 10+2 प्रणाली को 5+3+3+4 के नए पाठ्यक्रम ढांचे से बदलना।
    - कक्षा 3 तक मातृभाषा या स्थानीय भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाना।
    - व्यावसायिक शिक्षा को स्कूली शिक्षा का एक अभिन्न अंग बनाना।
2. अन्य क्षेत्र:
    - वयस्क शिक्षा को बढ़ावा देना।
    - भाषा अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
    - शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना।
3. वित्तपोषण और कार्यान्वयन रणनीतियाँ:
    - शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि करना।
    - नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक रणनीति तैयार करना।
4. उच्च शिक्षा:
    1. *उच्च शिक्षा में बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देना*: एनईपी 2020 ने उच्च शिक्षा में बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रावधान प्रस्तुत किए हैं। यह नयी शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली के संबंध में विभिन्न पहलुओं को संशोधित

करने का प्रयास है,जिससे छात्रों को एक व्यापक और समृद्ध शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिल सकता है। यह छात्रों को विभिन्न विषयों के बीच संबंधों को समझने और विभिन्न दृष्टिकोणों से सोचने में मदद करेगा।निम्नलिखित कुछ मुख्य प्रावधान हैं जो बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं:

- बहु-विषयक डिग्री कार्यक्रम: एनईपी 2020 छात्रों को विभिन्न विषयों का अध्ययन करने और बहु-विषयक डिग्री प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में मदद करेगा, जो उन्हें रोजगार बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बना देगा।
- फ्लेक्सिबिलिटी और चयन का विकल्प: एनईपी 2020 के अनुसार, छात्रों को विभिन्न विषयों में चयन करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा। इससे वे अपने रुचियों और प्रतिभाओं के अनुसार अपने अध्ययन को अनुकूलित कर सकते हैं।
- इंटीग्रेटेड और इंटरडिस्किप्लिनरी कोर्सेज:एनईपी 2020 में, इंटीग्रेटेड कोर्सेज और इंटरडिस्किप्लिनरी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे छात्रों को विभिन्न विषयों के बीच अध्ययन करने का मौका मिलेगा, जिससे वे एक समृद्ध और संघटित ज्ञान का धारक बन सकते हैं।
- आधुनिक पाठ्यक्रम विकसित करना:नई शिक्षा नीति के तहत, आधुनिक और अपडेटेड पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे जो बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करेंगे। ये पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न विषयों के बीच संचार करने और उन्हें एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करेंगे।
- को-करिक्युलर और एक्स्ट्रा-करिक्युलर गतिविधियाँ:एनईपी 2020 ने को-करिक्युलर और एक्स्ट्रा-करिक्युलर गतिविधियों को महत्वपूर्ण बनाने का भी प्रावधान किया है। इससे छात्रों को अधिक से अधिक विषयों में सक्षम बनाने का अवसर मिलेगा।

AD EDUXIAN JOURNAL
(A Quarterly Multidisciplinary Blind Peer Reviewed & Refereed International Journal)
www.educarepublication.com
ISSN: 3048-7951
Volume-1, Issue-2, August-October 2024

2. *राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (NEC) की स्थापना करना*: एनईपी 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (National Education Commission - NEC) की स्थापना का प्रावधान किया गया है। NEC को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीति निर्माण, योजना बनावट, और शिक्षा के स्तर को उन्नति करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा आयोग की स्थापना से, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों और योजनाओं के लिए एक स्थिर और संरचित प्रक्रिया विकसित होगी, जो शिक्षा के स्तर को उन्नत करने में मदद करेगी। एनईसी की संरचनामें एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और 12 सदस्य होंगे।एनईसी के सदस्यों को शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों में से चुना जाएगा।एनईसी का कार्यकाल तीन साल का होगा।निम्नलिखित कुछ मुख्य उद्देश्य हैं जिनके लिए NEC की स्थापना की जा रही है:

- NEC के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता में सुधार करने के लिए नीतियों की रचना और निर्देशिकाओं का विकास किया जाएगा।
- NEC उच्च शिक्षा के संबद्धता को सुनिश्चित करने और उपयुक्त सामग्री का विकास करने में सहायक होगा।
- NEC के माध्यम से नई प्रौद्योगिकियों और नवाचारों के लिए नीतियों और दिशानिर्देशों का विकास किया जाएगा, जो उच्च शिक्षा को आधुनिक और तकनीकी बनाए रखने में मदद करेंगे।
- NEC भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंधों को संवादित करेगा।
- NEC छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करने और उनकी करियर तैयारी में मदद करने के लिए उपाय करेगा।

3. *लचीलापन*: एनईपी 2020 में उच्च शिक्षा में लचीलापन को महत्वपूर्ण माना गया है। यह नई शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को मानव संसाधन विकास और सामाजिक-आर्थिक प्रगति के माध्यम के रूप में उच्च शिक्षा के माध्यम से सुधार करने का लक्ष्य

रखती है। एनईपी 2020 उच्च शिक्षा में लचीलापन को प्रोत्साहित करके, छात्रों को विभिन्न विषयों में संचार करने, समस्याओं का समाधान करने और उनके व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है। निम्नलिखित कुछ प्रमुख प्रावधान हैं जो एनईपी 2020 द्वारा उच्च शिक्षा में लचीलापन को प्रोत्साहित करते हैं:

- फ्लेक्सिबिलिटी और चयन का विकल्प:एनईपी 2020 के अंतर्गत, छात्रों को विभिन्न कोर्सों, पाठ्यक्रमों, और विषयों में चयन का विकल्प प्रदान किया जाएगा। यह उन्हें अपने रुचियों, प्रतिभाओं, और करियर लक्ष्यों के अनुसार अपना पठन कार्यक्रम चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करेगा।नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्नातक कोर्स में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख बदलावों में शामिल हैं:स्नातक कोर्स 3 से 4 साल तक पढ़ा जा सकता है। छात्र अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार 3 या 4 साल का कोर्स चुन सकते हैं। यदि कोई छात्र एक साल के लिए स्नातक कोर्स की पढ़ाई करता है तो उसे केवल 1 साल की पढ़ाई का ही प्रमाण पत्र दिया जाएगा। 2 साल बाद उसे एडवांस डिप्लोमा का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। 3 साल बाद उसे प्रमाण के आधार पर उसे डिग्री दी जाएगी। 4 साल के बाद छात्र को बैचलर डिग्री के साथ-साथ रिसर्च की डिग्री भी दी जाएगी। छात्रों को विभिन्न विषयों से चुनने की स्वतंत्रता होगी। छात्रों को "मेजर" और "माइनर" विकल्प चुनने की सुविधा होगी। छात्रों को "ऑनर्स" कार्यक्रम चुनने की सुविधा होगी।छात्रों को विभिन्न संस्थानों में अर्जित क्रेडिट को जमा करने और स्थानांतरित करने की सुविधा होगी।एनईपी 2020 में स्नातक कोर्स में किए गए बदलावों से छात्रों को अधिक विकल्प और लचीलापन मिलेगा। इससे छात्र अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
- क्रेडिट ट्रांसफर:नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा प्रणाली को लचीला और छात्र-केंद्रित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण बदलाव है एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) का गठन। एबीसी एक

डिजिटल बैंक है जहाँ छात्रों द्वारा विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में अर्जित क्रेडिट को जमा और स्थानांतरित किया जा सकता है। छात्र विभिन्न विषयों में परीक्षा देकर क्रेडिट अर्जित करते हैं। इन क्रेडिट को डिजिटल अकादमी क्रेडिट (डीएसी) में बदल दिया जाता है। छात्र इन डीएसी को एबीसी में जमा करते हैं। जब छात्र किसी डिग्री कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं, तो वे एबीसी से अपने डीएसी को स्थानांतरित कर सकते हैं। डिग्री कार्यक्रम के लिए आवश्यक क्रेडिट पूरा होने पर छात्र को डिग्री प्रदान की जाती है। यह विधि छात्रों को अपनी पसंदीदा विषयों में अध्ययन करने और अपने करियर के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। इस प्रकार के एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट से, छात्रों को अपनी शैक्षिक प्रगति को ट्रैक करने और उन्हें अपने करियर के लिए उच्च शिक्षा के प्रोग्रामों में स्थानांतरित करने में मदद मिलेगी। इस प्रकार, छात्र हित के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा जो उन्हें अधिक समर्थ, सुविधाजनक, और उचित शैक्षणिक संरचना प्रदान करेगा।

- ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा:एनईपी 2020 ने ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित किया है, जो छात्रों को अन्यथा स्थानीय क्लासरूम और विश्वविद्यालयों में शिक्षण प्राप्त करने का विकल्प देता है। यह छात्रों को शिक्षा तक अधिक आसानी से पहुंचने और अपनी शिक्षा को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार पूरा करने में मदद करेगा।
- संबद्धता और अंतर्विद्यालयीय समन्वय:उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संबद्धता और अंतर्विद्यालयीय समन्वय को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे छात्रों को विभिन्न विषयों में अध्ययन करने का मौका मिलेगा और उनका अध्ययन सामग्री के संप्रेषण को बेहतर तरीके से संगठित किया जा सकेगा।

4. *व्यावसायिक शिक्षा और डिजिटल शिक्षा*: एनईपी 2020 उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा और डिजिटल शिक्षा को महत्वपूर्ण धाराओं में सम्मिलित करता है।

एनईपी 2020 व्यावसायिक शिक्षा और डिजिटल शिक्षा को उच्च शिक्षा में प्रमुख रूप से शामिल करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लचीलाता को बढ़ावा देता है। नई शिक्षा नीतिभारतीय उच्च शिक्षा को आधुनिक तकनीकी और व्यावसायिक दुनिया के साथ समर्थ बनाने के लिए विभिन्न प्रावधान प्रदान करती है।

4.1 व्यावसायिक शिक्षा:

- अनुसंधान और उद्यमिता: एनईपी 2020 व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और उद्यमिता को महत्वपूर्ण मानता है। इसमें शिक्षा संस्थानों को उद्यमिता की साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाता है।
- संबद्धता के साथ पाठ्यक्रम: एनईपी 2020 व्यावसायिक शिक्षा के लिए उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए औचित्यकारिता के साथ पाठ्यक्रम तैयार करने की बात करता है। इसमें उच्च गुणवत्ता और व्यावसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए संबद्धता की गरिमा रखी जाती है।
- अनुभव प्रमुख शिक्षण: नई शिक्षा नीति अनुभव प्रमुख शिक्षण की प्रमाणिकता को प्राथमिकता देती है, जिससे छात्रों को व्यावसायिक दुनिया के साथ अनुभव प्राप्त हो सके

4.2 डिजिटल शिक्षा:

- ऑनलाइन पाठ्यक्रम: एनईपी 2020 डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के विकास और प्रसार को बढ़ावा देता है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए उपलब्धता और पहुंच में वृद्धि करता है।
- डिजिटल शिक्षा सामग्री: डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न संसाधनों और सामग्रियों के विकास को उत्साहित किया जाता है। इसमें उपयोगकर्ताओं को अध्ययन के लिए अधिक संवेदनशील और आकर्षक सामग्री प्रदान की जाती है।

- डिजिटल संरचनाओं का विकास: एनईपी 2020 डिजिटल संरचनाओं के विकास को प्रोत्साहित करता है, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी साधनों का उपयोग और नवाचार को बढ़ावा मिले।

5. *नियामक ढांचा(रेगुलेटरी संरचना)*:भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) की यह नई संरचना भारतीय उच्च शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तनों का प्रतीक है। यह संरचना एक समर्थनीय और सुगम मार्ग तय करने का प्रयास है जिससे उच्च शिक्षा के रेगुलेशन और उनका प्रबंधन प्रभावी और सुसंगत हो सके। इस संरचना के अनुसार, चार विभाग होंगे जो विभिन्न क्षेत्रों के विषयों पर नियंत्रण और निर्देशन प्रदान करेंगे।

1. राष्ट्रीय उच्च शिक्षा रेगुलेटरी परिषद: यह परिषद केवल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न नियमों और अनुदेशों का प्रबंधन करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा मानकों को सुनिश्चित करना होगा।
2. *राष्ट्रीय एक्रेडिटेशन परिषद*: यह परिषद उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करेगी और उन्हें एक्रेडिटेड करेगी। यह विशेष ध्यान देगी कि शिक्षा मानकों की पालना की जाए या नहीं।
3. *उच्च शिक्षा अनुदान परिषद*: इस परिषद का मुख्य काम उच्च शिक्षा संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना होगा। यह परिषद वित्तीय पोषण सुनिश्चित करेगी ताकि उन्हें अच्छे शिक्षा प्रदान करने के लिए उपयुक्त संसाधन मिल सके।
4. *सामान्य शिक्षा परिषद*: इस परिषद का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के कार्यक्रमों के सामान्य धाराओं और मानकों को स्थापित करना होगा। यह परिषद शिक्षा के करिकुलम और शिक्षण पद्धतियों को स्थापित करेगी।

इस नई संरचना के अंतर्गत, उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के लिए स्पष्ट और स्वतंत्र निकायों की स्थापना होगी ।इन चारों निकायों के बीच विवाद की स्थिति में, एचईसीआई के अंतर्गत विशेषज्ञों का एक निकाय तय किया गया है, जो विवादों को हल करेगा। इससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार होने की उम्मीद है। नए रेगुलेटरी ढांचे से उच्च शिक्षा में

अधिक जवाबदेही, पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार लाने की उम्मीद है। यह भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी मदद करेगा।

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए एनईपी 2020 के संभावित प्रभाव:

1. *छात्रों की नामांकन दर में वृद्धि*
   - उत्कृष्ट छात्रों के लिए अधिक संदर्भ:एनईपी 2020 के अनुसार, उत्कृष्ट छात्रों को स्कूली स्तर पर समर्थित किया जाना चाहिए और उन्हें शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे उन छात्रों की संख्या में वृद्धि हो सकती है जो पूरी तरह से अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए उत्सुक होते हैं।
   - माध्यमिक शिक्षा के बाद के पथ में वैकल्पिकता:एनईपी 2020 के तहत, छात्रों को विभिन्न शैक्षिक पथों पर चलने का विकल्प दिया जाएगा। इससे, छात्रों की संख्या जो उच्च शिक्षा को छोड़कर विभिन्न पेशेवर पाठ्यक्रमों में शामिल होती है, बढ़ सकती है।
   - विद्यालयीय शिक्षा का प्राथमिक स्तर:नई शिक्षा नीति के अनुसार, प्राथमिक स्तर की शिक्षा को प्रमुखता दी जाएगी। इससे, छात्रों की अधिक संख्या प्राथमिक स्तर पर पंजीकृत हो सकती है, जिससे उनकी नामांकन दर में वृद्धि हो सकती है।
   - तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में वृद्धि:नई शिक्षा नीति के अनुसार, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को महत्वपूर्णता दी जाएगी। इससे, छात्रों की नामांकन दर में इस क्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।
2. *शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार:*
   - अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना:एनईपी 2020 के अनुसार, उच्च शिक्षा को अनुसंधान और नवाचार केंद्रित बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसका मकसद है उच्च शिक्षा में नए विचारों और नवाचारों को प्रोत्साहित करना जिससे

शिक्षा की **गुणवत्ता** बढ़ सके। उच्च शिक्षा संस्थानों को अनुसंधान और विकास के लिए अधिक धन और संसाधन प्रदान किए जाएंगे।

- संस्थानों के **गवर्नेंस** में सुधार:एनईपी 2020 ने संस्थानों के **गवर्नेंस** को सुधारने का प्रस्ताव किया है। इससे संस्थानों में प्रशासनिक क्षमता, **प्रशासनिक** नैतिकता और लेखांकन की **गुणवत्ता** में सुधार हो सकता है, जो शिक्षा की **गुणवत्ता** को प्रभावित कर सकता है।
- शिक्षकों की **प्रशिक्षण** और विकास:एनईपी 2020 ने **शिक्षकों** के प्रशिक्षण और विकास को **महत्वपूर्ण** माना है। इससे शिक्षकों की ताकतों, **ज्ञान** और कौशल में सुधार हो सकता है, जिससे वे अधिक उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।
- शिक्षा मानकों का संशोधन:एनईपी 2020 के अनुसार, शिक्षा **मानकों** को संशोधित करने का प्रयास किया जाएगा। इससे शिक्षा के मानकों को सुधारा जा सकता है और उन्हें **आधुनिक** शिक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सकता है।
- पाठ्यक्रम में सुधार: एनईपी 2020 में पाठ्यक्रम को **अधिक** लचीला और बहुविषयक बनाने का प्रस्ताव दिया गया है।छात्र अब अपनी **रुचि** और योग्यता के अनुसार **विभिन्न** विषयों का चयन कर सकते हैं। **पाठ्यक्रम** को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा।
- शिक्षण विधियों **में** सुधार: एनईपी 2020 में शिक्षण विधियों में सुधार करने पर ध्यान दिया गया है। शिक्षकों को छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने में शामिल करने के लिए **प्रोत्साहित** किया जाएगा। शिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर भी ध्यान दिया जाएगा।
- मूल्यांकन **प्रणाली** में सुधार: एनईपी 2020 में मूल्यांकन **प्रणाली** में सुधार करने का प्रस्ताव दिया गया है। मूल्यांकन अब केवल रटने पर **आधारित** नहीं होगा, बल्कि छात्रों की समझ और कौशल पर भी ध्यान दिया जाएगा।

3. *छात्रों के रोजगार योग्यता में वृद्धि*

- अद्यतन और आधुनिक पाठ्यक्रम: नई शिक्षा नीति के अनुसार, पाठ्यक्रमों को आधुनिक और उत्तराधिकारी बनाने के लिए समायोजित किया जाएगा। इससे छात्रों को नवीनतम और अपडेटेड ज्ञान की प्राप्ति होगी, जो उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ा सकता है।
- शिक्षा की सामाजिक समायोजन:एनईपी 2020 के अनुसार, उच्च शिक्षा के समाजिक और आर्थिक समायोजन में सुधार के लिए कई उपाय हैं। इससे गरीब और अल्पसंख्यक वर्गों के छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकती है।
- व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान:एनईपी 2020 व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है, जो छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करेगा। यह छात्रों को विभिन्न कौशल और ज्ञान प्रदान करेगा जो उन्हें रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेगा।
- इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप: एनईपी 2020 छात्रों को इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने और अपने कौशल को विकसित करने में मदद करेगा।
- कौशल विकास: एनईपी 2020 छात्रों में विभिन्न कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जैसे कि महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान, और संचार।ये कौशल छात्रों को रोजगार बाजार में सफल होने में मदद करेंगे।
- उद्योग-शिक्षा संबंध: एनईपी 2020 उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है।यह छात्रों को रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के बारे में जानने और उद्योग के अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा।
- स्टार्टअप और उद्यमिता:एनईपी 2020 छात्रों को स्टार्टअप और उद्यमिता में प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।यह छात्रों को रोजगार के अवसर पैदा करने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने में मदद करेगा।

4. *अनुसंधान और नवीनता में वृद्धि*

- अनुसंधान केंद्रों की स्थापना:एनईपी 2020 के अनुसार, अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और **प्रोत्साहन** किया जाएगा। इन केंद्रों में नवीनता और अनुसंधान के क्षेत्रों में उन्नति होगी, जो उच्च शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में मदद करेगी।
- उत्कृष्टता केंद्रों का प्रोत्साहन:एनईपी 2020 उत्कृष्टता केंद्रों को प्रोत्साहित करने का प्रावधान करता है, जिनमें नवीनता और अनुसंधान के **क्षेत्र** में उन्नति की जा सकती है। ये **केंद्र** विशेष रूप से नवीनता को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्टता की ऊर्जा को बढ़ाने **में** महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- अनुसंधान योजनाओं का प्रोत्साहन:नई शिक्षा नीति के अनुसार, अनुसंधान योजनाओं को **प्रोत्साहित** किया जाएगा। इसके माध्यम से **छात्रों** और शिक्षकों को नवीनता के क्षेत्र में अध्ययन करने और उसे अमल में लाने के लिए संबंधित संसाधनों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा।
- अनुसंधान **फंडिंग** का बढ़ावा:एनईपी 2020 ने अनुसंधान और नवीनता को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक फंडिंग प्रदान करने का भी प्रावधान किया है। इससे अधिक **विशेषज्ञता**, संस्थानिक संरचना, और अनुसंधान क्षमता के संविदानशीलता **में** सुधार हो सकता है।
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग: एनईपी 2020 अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों को दुनिया भर के अन्य संस्थानों के साथ अनुसंधान में सहयोग करने में मदद करेगा।
- अनुसंधान **करियर** में वृद्धि:एनईपी 2020 अनुसंधान **करियर** में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करता है।यह छात्रों को अनुसंधान करियर में **आकर्षित** करने और उन्हें अनुसंधान में **उत्कृष्टता** प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न उपायों का **प्रस्ताव** देता है।

5. *भारत को शिक्षा का एक वैश्विक केंद्र बनाना*

- अंतर्राष्ट्रीय आकर्षण: एनईपी 2020 के अनुसार, भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए विभिन्न प्रोग्रामों और पाठ्यक्रमों को प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह भारत को एक ग्लोबल शिक्षा हब के रूप में स्थापित कर सकता है।
- गुणवत्ता में सुधार:एनईपी 2020 शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार के लिए कई प्रावधान प्रदान करता है, जैसे कि अनुसंधान केंद्रों की स्थापना, शिक्षकों के प्रशिक्षण में नवीनता, और पाठ्यक्रमों में अद्यतन। इससे भारतीय शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार होगा, जिससे उन्हें वैश्विक केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हो सकती है।
- विश्वस्तरीय प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रिया:नई शिक्षा नीति के अनुसार, विश्वस्तरीय प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इससे भारतीय शैक्षणिक संस्थानों को विश्व स्तरीय मानकों और प्रक्रियाओं के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा, जो उन्हें वैश्विक पहचान प्राप्त करने में मदद करेगा।
- अंतर्राष्ट्रीय भावनात्मक आयाम:एनईपी 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय भावनात्मक आयाम देने का प्रयास करता है, जिससे यह विश्व स्तरीय भाषा में संवाद कर सके और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के क्षेत्र में अधिक भागीदारी कर सके।

निष्कर्ष:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत में उच्च शिक्षा को बदलने की क्षमता रखती है। नीति के सफल कार्यान्वयन से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, छात्रों की रोजगार योग्यता में वृद्धि और भारत को शिक्षा का एक वैश्विक केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) भारतीय शिक्षा प्रणाली को विस्तार, समग्रता और गुणवत्ता में सुधार करने का प्रयास है। इसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक समग्र, व्यावहारिक और जीवन-केंद्रित बनाना है ताकि छात्रों

को अधिक स्थायी और सक्षम नागरिकों के रूप में तैयार किया जा सके।एनईपी 2020 व्यक्तित्व के समग्र विकास पर जोर देती है, जिसमें आत्म-नियंत्रण, आत्मनिर्भरता, चरित्र-निर्माण, सामाजिक जीवन का ज्ञान, संस्कृति का संरक्षण और शारीरिक विकास के लिए योग और शारीरिक व्यायाम शामिल हैं। यह प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के समान है, जो जीवन, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित थी। इस नीति के कई महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है कि यह सुनिश्चित करती है कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और सस्ती हो। इसके तहत, गुणवत्ता और पहुंचने में समानता को बढ़ावा दिया जाएगा। नई नीति में डिजिटल शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिससे छात्रों को शिक्षा के लिए नए और आधुनिक संसाधनों तक पहुंच मिल सके।यह नीति शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। यह भारत को 21वीं सदी में एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेगा। एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन से, भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार होगा और छात्रों को बेहतर संभावनाएं मिलेंगी। इससे देश के समग्र विकास में भी योगदान होगा क्योंकि एक सशिक्षित और कुशल नागरिक समाज का आधार बनते हैं।

1. संदर्भ :

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
3. बिरेंद्र सिंह, कुकन देवी, उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ मेंराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि, IJRAR जनवरी 2022, खंड ९, अंक १,१७-२०
4. डॉ. असलम सैय्यद, प्रतिमा शुक्ला, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चुनौतियां और अवसर पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, IJARSCT , नवंबर २०२२, खंड २,अंक १,१२७-१३१
5. प्रेम परिहार, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 संभावनाएं एवं चुनौतियां, IJAR २०२०; ६ (९): १०९-१११
6. अतुल कोठारी (संपादक), राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 भारतीयता का पुनरुत्थान, प्रभात प्रकाशन, 1 दिसंबर 2022, आईएसबीएन: 978-9390923885

7. गिरीश्वर मिश्र, नई शिक्षा नीति: संभावनाएं और चुनौतियां, कंचनजंघा पियर रिव्यूड जर्नल, जुलाई दिसंबर 2020, वर्ष ०१, अंक ०२6. लखन लाल चौकसे ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषणात्मक अध्ययन,IJEMMASSS जुलाई सितंबर २०२२, खंड ४, न.०३(I), पृ. सं .५७ -६२
8. लखन लाल चौकसे ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषणात्मक अध्ययन,IJEMMASSS जुलाई सितंबर २०२२, खंड ४, न.०३(I), पृ. सं .५७ -६२
9. डॉ. एम. ए. खान., डॉ. आबिदा खातून, बहुविषयक शैक्षणिक अनुसंधान, ई-आईएसएसएन: 2230-7540,वर्ष: जनवरी, 2022,खंड: 19 / अंक: 1,पृष्ठ: 207 - 210 (4)
10. आकाशदीप, डॉ.सीमा पवार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल विकास के अवसर; शोध मंथन; अप्रैल जून 2022, खंड XIII, न. II,३१३-३२२
11. M.K. Singh, NEW EDUCATION POLICY OF INDIA,ANURAG PRAKASHAN,1 January 2020, ISBN-978-8194577577